कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

जागृति

वर्ष:64 अंक-1 मुम्बई दिसम्बर 2019

नितिन गडकारी द्वारा आईआईटीएफ में साबरमती आश्रम के तर्ज़ पर बने खादी पवेलियन का उद्घाटन

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष 64 अंक-1 मुंबई दिसम्बर 2019

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

उप संपादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिंदी अनुवाद अधिकारी
सरस्वती खनका

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई -400056
के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार ..... 3 से 19

नितिन गडकरी ने आई.आई.टी.एफ में खादी पवेलियन का उद्घाटन किया.....
खादी में इससे पहले कभी भी बदलाव नहीं देखा गया- एमएसएमई मंत्री.....
आईआईटीएफ में खादी पवेलियन को श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु कांस्य पदक मिला.....
इत्रसाजी से लेकर मधुवाटिका तक, कन्नौज की खोई प्रतिष्ठा को पुनः दिलाने का आयोग का प्रयास.....
ब्रिटिश संसद, वेस्टमिंस्टर में आयोग के अध्यक्ष के संबोधन के अंश...
आयोग ने 26 नवंबर, 2019 "संविधान दिवस" के रूप में मनाया सतर्कता जागरूकता सप्ताह .....
विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर समिति की 5वीं बैठक में विकास और नवाचार पर जोर.....
मुख्य कार्यकारी अधिकारी का आवेदनों को मंजूरी देने में बैंकरों से सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह .....
रामनाथपुरम में ईडीपी प्रशिक्षण आयोजित.....
रुद्रप्रयाग में पीएमईजीपी जागरूकता शिविर.....
आयोग के राज्य कार्यालय, विजयवाड़ा द्वारा विद्युत चालित कुम्हारी चाक का वितरण.....
जम्मू में चर्म कौशल कार्यक्रम के तहत उन्नत चर्म टूल किट वितरित
विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरण कार्यक्रम.....
जयपुर में 7 वीं आंचलिक समीक्षा बैठक.....
देहरादून में पीएमईजीपी पर जागरूकता शिविर.....
सिरमौर में कुम्हार सशक्तिकरण कार्यक्रम .....
के तहत कौशल उन्नयन प्रशिक्षण .....
मदुरै में कुम्हारी प्रशिक्षण कार्यक्रम.....
मदुरै में हनी मिशन के तहत 250 मधुमक्खी बॉक्स और टूल किट वितरित.....
खादी ने लगाई फिर छलांग : 2018-19 में टर्नओवर 74,323 करोड़ रुपये के पार.....
ऑनलाइन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर अभिमुखता कार्यक्रम.....
सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर शपथ समारोह की झलकियां .....

प्रेस कवरेज .....20 से 27

खादी में इससे पहले कभी भी ऐसा बदलाव नहीं देखा गया -एमएसएमई मंत्री

नितिन गडकरी द्वारा आई.आई.टी.एफ में खादी पवेलियन का उद्घाटन

बापू की 150 वीं जयंती मनाने के लिए आयोग ने साबरमती आश्रम की प्रतिकृति बनाई

साबरमती आश्रम के अनुकृति का प्रवेश द्वार और मधुर शहनाई वादन के साथ 'भारतीयता की भावना' का जश्न मनाते हुए केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी ने 14 नवम्बर, 2019 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) में खादी पवेलियन का उद्घाटन, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना और एमएसएमई के सचिव डा. अरुण कुमार पांडा की उपस्थिति में, किया।

महात्मा गांधी की जयंती की 150 वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) में खादी पवेलियन में सेल्फी पॉइंट के रूप में महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित की गयी, जिसके आस-पास देश भर के कारीगरों, शिल्पकारों, खादी संस्थाओं और प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम इकाइयों के लगभग 30 स्टॉल प्रदर्शित किए गए थे, जो इस व्यापार मेले में भाग ले रहे थे। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने खादी गतिविधियों के प्रदर्शन के लिए चरखे, विद्युत चालित कुम्हारी चाक, अगरबत्ती बनाने और अन्य तकनीकी सयोजन से जीवंत प्रदर्शनी की भी व्यवस्था की थी।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा, "खादी एक ऐसे परिवर्तन का अनुभव कर रही है जो पहले कभी नहीं देखा गया। ग्रामोद्योगों की समावेशी वृद्धि

आईआईटीएफ में खादी पवेलियन को श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु कांस्य पदक मिला

माननीय केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने 28 नवंबर, 2019 को नई दिल्ली में आयोग को ट्रॉफी प्रदान की

देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है । रेलवे स्टेशनों पर मिट्टी के बर्तनों को बढ़ावा देने, अगरबत्ती के आयात पर प्रतिबंध लगाने, राष्ट्रीय ध्वज के आयात पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही 11 खादी उत्पादों के लिए नए एच.एस.कोड सुनिश्चित करने, नए खादी भंडार एवं केंद्रीकृत सरकारी आपूर्ति मॉड्यूल के विकास आदि जैसे विभिन्न कदम उठाए गए हैं, ताकि भारतीय ग्रामोद्योग उत्पादों को बढ़ावा दिया जा सके।"

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने खादी की सफलता के बारे में बात करते हुए कहा, "खादी न केवल भारत का राष्ट्रीय वस्त्र है, बल्कि भारतीयता की भावना भी है। खादी हमारे आसपास महात्मा गांधी की उपस्थिति और उनके विजन को स्मरण कराती है। खादी के विकास के साथ राष्ट्र की उन्नति होती है। आईआईटीएफ के ये स्टाल भारतीय कौशल और क्षमता का प्रतीक हैं। यह साबरमती आश्रम, गुजरात की प्रतिकृति है, और हमने यह सुनिश्चित किया है कि इसके निर्माण के दौरान किसी भी प्लास्टिक का उपयोग न किया जाए। यह सभी प्राकृतिक संसाधनों जैसे काष्ठ और प्राकृतिक फाइबर आदि से निर्मित किया गया है।

आईआईटीएफ-2019 के खादी पवेलियन में खादी ग्रामोद्योगी उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ अन्य खाद्य, हस्तशिल्प, चर्म और होजरी, रेडिमेड वस्त्र, लकड़ी के खिलौने एवं सौंदर्य प्रसाधन हर्बल उत्पादों को प्रदर्शित किया गया था, जिन पर पर 20 % तक की आकर्षक छूट प्रदान की गयी।

इत्रसाजी से लेकर मधुवाटिका तक, कन्नौज की खोई प्रतिष्ठा को पुन: दिलाने का आयोग का प्रयास

इस वर्ष अगस्त में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कन्नौज (यूपी) से लोकसभा सांसद सुब्रत पाठक से पूछा कि कन्नौज में उच्च गुणवत्तायुक्त शहद क्यों नहीं बनाया जा सकता है, सुगंध के लिए इसके आसपास बहुत सारी वनस्पतियां उपलब्ध हैं और उनसे कहा कि इस संबंध में संभावनायें तलाशने के लिए वे खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना से मुलाकात करें।

आयोग के अध्यक्ष ने सितंबर 2019 में कन्नौज में मधुमक्खी पालन गतिविधियों की संभावना का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम को नियुक्त किया। सर्वेक्षण रिपोर्ट में न केवल मधुमक्खीपालन गतिविधियों के लिए बल्कि कुम्हारी और चर्म उद्योग की गतिविधियों के लिए भी बेहतर संभावना का सुझाव दिया गया।

जिसके फलस्वरुप आज कन्नौज, ऐतिहासिक कार्यक्रम का साक्षी है, जिसे प्रधान मंत्री मोदी के विजन के साथ जोड़ा गया है। आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कन्नौज के संसद सदस्य श्री सुब्रतो पाठक के साथ, कन्नौज के मेडिकल कॉलेज परिसर में 100 स्थानीय कृषकों को 1000 मधुमक्खी बॉक्स, 100 कुम्हार परिवारों को 100 उच्च तकनीक वाले विद्युत चालित कुम्हारी चाक और 100 उन्नत चर्म उपकरण किट 100 चर्म कारीगरों को वितरित किए।

कन्नौज, भारत की इत्र राजधानी के नाम से भी जानी जाती है, यहाँ के इत्र उद्योग का इतिहास हजार साल से भी पुराना है। यह शहर विभिन्न प्रकार के फूल और वनस्पतिक पौधे यहाँ के लोगों के प्राथमिक आजीविका का एक हिस्सा हैं। क्षेत्र के पर्यावरण स्थिति से संबन्धित जानकारी हासिल करके, इसके आधार पर स्थानीय युवाओं को प्रोत्साहित किया जा सके, जिससे एपिकल्चर में और मधुमक्खी मोम, कुम्हारी और चर्म में आजीविका की संभावनाओं का पता लगाया जा सके, इसके लिए केवीआईसी ने प्रशिक्षण के लिए

400 कारीगरों को पहचानित किया, जिनमें से 250 अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़े वर्ग से थे। केवीआईसी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम अक्टूबर माह में पूरा किया।

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा, "कन्नौज, अपनी समृद्ध वनस्पतियों की वजह से मधुमक्खी पालन उद्योग के लिए बहुत बड़ा क्षेत्र है। ऐसा वतावरण व पर्यावरण मधुमक्खियों के लिए आवश्यक है क्योंकि वे फूलों को निषेचित करने के लिए एक पौधे से दूसरे पौधे में पराग को स्थानांतरित करती हैं। इस पहल से क्षेत्र में फूलों के उत्पादन में वृद्धि होगी और इससे इत्र के उत्पादन में वृद्धि करने में मदद मिलेगी।

इस प्रक्रिया से उत्पादित शहद भी देश में उत्पादित सबसे बेहतर गुणवत्ता वाले शहद में से एक होगा। इसके अलावा मधुमक्खियों के मोम के उत्पादन को इत्र की विभिन्न किस्मों के साथ नए और अनूठे उत्पादों जैसे हेयर-जेल, सुगंधित मधुमक्खी मोम मोमबत्तियाँ, मोम, तेल आदि का उत्पादन करने के लिए सराहना की जा सकती है। इतना ही नहीं, कुम्हारी चाक और उन्नत चर्म औजार किट भी युवाओं को उनके पारंपरिक कलास्वरूपों से अन्य नौकरियों की ओर जाने से रोकने में मदद करेंगे।"

केवीआईसी द्वारा की गई पहल की सराहना करते हुए, सुब्रतो पाठक ने कहा, "केवीआईसी की इस पहल से क्षेत्र में मधुमक्खी पालकों के 100 परिवार, 100 कुम्हार और 100 चर्म कारीगर लाभन्वित होंगे। यह आजीविका को कई गुना बढ़ाने और युवाओं का शहरों में पलायन को कम करने में मदद करेगा।

उपर्युक्त सभी पहल मौजूदा इत्र उद्योग के लिए सहायक सिद्ध होंगीं और एक नए जोश और नए व्यापारिक विचारों के साथ उद्योग को पुनर्जीवित करने में मदद होगी। 'केवीआईसी के अध्यक्ष ने घोषणा की कि मार्च 2020 तक कन्नौज में पीएमईजीपी के तहत अगरबत्ती निर्माण करने की 5,000 इकाइयां स्थापित की जाएंगी।

केवीआईसी की इस पहल से कन्नौज में सीधे 750 रोजगार अवसरों का सृजन होगा जो निश्चित रूप से कन्नौज के लोगों के विकास और आजीविका के नए मार्ग तैयार करते हुए इस क्षेत्र में इत्र के मौजूदा उद्योग का समर्थन करने में मदद करेंगे। इस अवसर पर अतिथियों ने अगरबत्ती का निर्माण करने के लिए बांबूसा तुल्दा किस्मों के 500 बांस के पौधे भी लगाए।

ब्रिटिश संसद, वेस्टमिंस्टर में आयोग के अध्यक्ष के संबोधन के अंश.....

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना, 13 नवंबर, 2019 को ब्रिटिश संसद के वेस्टमिंस्टर में आयोजित 'कॉर्पोरेट गवर्नेंस एंड सस्टेनेबिलिटी' पर 19वें लंदन ग्लोबल कन्वेंशन में आमंत्रित एक प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित हुए, उनके संबोधन के अंश :-

महामहिम, कॉरपोरेट जगत के महानुभावों,
देवियों और सज्जनों.....

मैं, आज आप सभी के बीच यहां उपस्थित होकर भारत की विरासत 'खादी' के गौरव को साझा करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं और इस संबंध में संक्षिप्त रूप में प्रकाश डालना चाहता हूं कि कैसे यह सिर्फ एक उत्पाद नहीं, बल्कि एक संपूर्ण संस्था है, जो एक कालातीत सभ्यतागत अर्थ में एक सदी से अधिक समय तक सतत विकास के सिद्धांतों में निहित है। जब मैं खादी कहता हूं तो कृपया इस धारणा को केवल हाथ से बने और हाथ बुने हुए वस्त्र तक ही सीमित न रखें, खादी जो कार्बन रहित है और अथम है।

खादी, जीवन की अभिव्यक्ति का एक तरीका है, यह पर्यावरण हितैषी, कारीगर रचनात्मकता, लाभ समरुपता का एक ग्रामीण समष्टिगत आंदोलन, सामाजिक न्याय का एक साधन, ऐतिहासिक महत्व का एक नायक, तथा आपसी सहयोग और पारस्परिकता के संसाधन आधारित समुदायिक निर्माण में एक कालातीत आधुनिकता लिये अपने आप में एक सम्पूर्ण सभ्यता है।

देवियों और सज्जनों .....खादी, भारत की आत्मा है।

राष्ट्रीय विकास के वृतांत के अन्तर्गत, रोजगार प्रदान करने, लाभार्जन, स्वदेशी कौशल के संरक्षण और स्वतंत्र भारत से आधुनिक भारत तक की यात्रा के प्रत्येक चरण में खादी की एक उल्लेखनीय भूमिका रही है। इसे स्वीकार करते हुए, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने छः दशकों से भारत सरकार के एक विधिविहित संगठन के रूप में कार्य किया है। खादी, आज एक ग्रामीण अर्थव्यवस्था है जो एक बिलियन अमेरिकी डॉलर के करीब पहुंच रही है, रोजगार में 3 मिलियन से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रही है, सम्पूर्ण देश में 8000 से अधिक आउटलेट (बिक्री केन्द्र) चला रही है और आधुनिक मशीनरी के बिना लगभग 200 मिलियन वर्ग मीटर वस्त्र का उत्पादन कर रही है। खादी की ब्रांड पहचान देश भर में वितरित की गई है, जो आमतौर पर हमारी आबादी के 68% से संबंधित है जिसे हम ग्रामीण कहते हैं। मैंने आपको भारत में लोगों की उत्पादकता के एक साधारण मॉडल के वृहद पदचिह्न के बारे में कल्पना करने के लिए यह कहा, और यही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा बनाई गई पहचान है। यह अतिशयोक्ति नहीं होगी यदि मैं दावा करता हूं कि दुनिया का कोई भी देश ऐसा नहीं होगा जिसमें वर्तमान जीवन और अतीत के बीच इतनी निरंतरता नहीं हो सकती है जिस तरह से खादी हमें महात्मा से जोड़ती है। यह शायद मेहनती होने का समयबद्ध स्थिरता का सबसे कुशल "ग्रास रूट मॉडल" है।

खादी के उत्पादन की बुनियादी इकाई, जो अधोसंरचना के अथम कार्य की आधारिक संरचना है जिसे चरखा कहा जाता है और जो सूत कातने वाला एक

साधारण पहिया है और साथ ही साथ लाखों लोगों की आजीविका भी बुनता है। मेरा आयोग लगातार चरखा और करघे प्रदान करके कारीगर समूहों को सहयोग कर रहा है। हमने देश भर में 60,000 चरखे और 10,000 करघे वितरित किए हैं, जो अब तक की सबसे बड़े वितरण बुनियादी ढाँचे में से एक है, जो आय की निरंतरता की गारंटी देता है। खादी की लोकप्रियता और उपयोग सरकार का एक पूर्वाधिकार है और राष्ट्रीय राजधानी में स्थित केवल एक आउटलेट में अकेले खादी की एक चौथाई बिक्री मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की एक दिन में होती है, जो ग्रामीण समुदाय के लोगों के लिए मजदूरी और रोजगार के रूप में काम करता है। हमने अपनी राष्ट्रीय राजधानी के ह्दय स्थल कनॉट सर्कस व अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे में चरखे को स्थापित किया है तथा लोगों को देखने व प्रेरणा लेने के लिए दिल्ली में ही चरखे को समार्पित एक संग्रहालय की स्थापना कर आश्चर्यजनक एक सरल औद्योगिक बुनियादी ढांचे का पुण्य स्मरण कराया हैं।

भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी को खादी के एक ब्रांड एंबेसडर के तौर पर जाना जाता है और वे खादी के लिए की गयी हर पहल में ऊर्जा का संचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं।

हालांकि यह संभव नहीं है कि उनके द्वारा की गई हर पहल के संबंध में इस मंच से अवगत कराया जा सके, उनकी हर पहल प्रत्येक क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ हैं। मैं, आपका ध्यान एक बहुत ही मार्मिक अवसर की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ , जिसे उन्होंने उन लोगों को सामाजिक न्याय प्रदान करने के लिए बनाया है, जो प्रारब्द्ध अभिभूत है। इसके लिए हम भारत के प्रधान मंत्री का धन्यवाद करते हैं कि जिनके वजह से अब हम जम्मू में आतंकवाद प्रभावित महिलाओं, असम के जंगलो में अवैध शिकार से विस्थापित आदिवासियों, सुंदरवन में बाघ के हमले से प्रभावित परिवारों, पारंपरिक रूप से दलित कमजोर वर्ग, सूखाग्रस्त गाँव और ऐसे स्थान जो प्राकृतिक खतरों, आपदाओं और संघर्षों से ग्रस्त हैं, के लिए खादी उत्पादन इकाइयां लगायी हैं।

देवियों और सज्जनों.....

खादी, भारत की लचीली अदम्य ग्रामीण भावना की अभिव्यक्ति है और यह कालातीत मानवीय गुण वैश्विक स्तर पर उतना ही प्रासंगिक है जितना कि राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, स्थानीय और ग्रामीण रूप पर। गत वर्ष दक्षिण अफ्रीका के पीटरमैरिट्सबर्ग ट्रेन में महात्मा गांधी के साथ हुई घटना की 125 वीं वर्षगांठ खादी के साथ मनाई गई है और इसी वर्ष, भूटान में शाही परिवार के दरबार में एक खादी कार्यक्रम आयोजित किया गया। वर्ष 2018 में भारत में मोंटेनेग्रो के राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम का विषय 'खादी' रही। युगांडा को गांधीजी के स्वदेशी आंदोलन की स्मृति में एक चरखा प्रदान किया गया और इसके साथ विगत वित्त वर्ष में, 60 से अधिक देशों में विशेष खादी प्रदर्शनियां आयोजित की गई।

मैं, यहाँ यह कहना चाहूँगा कि राष्ट्रपिता ने एक बार कहा था कि "खुद वो बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।" मेरे लिए इस प्रख्यात विचार का सीधा अर्थ है कि हमें एक सरल, स्थायी, सशक्त और पारस्परिक रूप से सहायक तथा सहज तरीके से जियो और जीने दो की भावना चाहिए, जिससे हम प्रकृति और मनुष्य के मध्य स्थायी रूप से सामंजस्य स्थापित कर सकें- और यह सब तत्व खादी में समाहित हैं।

अंत में, मैं सभी महामहिम, प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों, देवियों और सज्जनों को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने मुझे अपनी बात कहने का यह सुअवसर दिया।

आयोग ने
26 नवंबर, 2019
"संविधान दिवस"
के रूप में मनाया

26 नवंबर, 2019 का दिन आयोग के केंद्रीय कार्यालय के साथ ही सभी राज्य कार्यालयों में संविधान की "प्रस्तावना" पढ़कर "संविधान दिवस" के रूप में मनाया गया। आयोग के केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में "संविधान दिवस" के अवसर पर आयोग के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा संविधान "प्रस्तावना" प्रशासित की गयी।

आयोग मुख्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा रखने की शपथ ली।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह
के अवसर पर 29 अक्टूबर, 2019 को आयोग के सभी पदाधिकारियों द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने के लिए ईमानदारी की शपथ

केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में आयोग की वित्तीय सलाहकार, सुश्री उषा सुरेश द्वारा शपथ प्रशासित की गयी। आयोजित शपथ समारोह की झलकियां

विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर समिति की 5वीं बैठक में विकास और नवाचार पर जोर

आयोग की विज्ञान और प्रौद्योगिकी समिति की 5 वीं बैठक 19 नवंबर, 2019 को आयोग के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित की गयी। आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा ने बैठक की अध्यक्षता की तथा उत्पादकता और सूत की गुणवत्ता के लिए उच्चगति वाले चरखे (गियर बॉक्स 1:1.5 मॉडल का उपयोग करके) और मौजूदा चरखे (एनएमसी) के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन करने का निर्देश दिया और एक वर्ष की संबद्ध अवधि में 40 से 50 संशोधित एनएम चरखा के साथ मल्टी लोकेशन फील्ड ट्रायल करने की भी सलाह दी।

इस अवसर पर संबंधित परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों के सह-समन्वयकों ने समिति के समक्ष परियोजना, अनुसंधान और विकास पर पेपर प्रस्तुत किए। बैठक में डॉ. पी.के. गुप्ता, निदेशक, एमजीआईआरआई, वर्धा और अन्य सदस्य शामिल हुए।

श्री एम. के. विट्टोपा, वैज्ञानिक अधिकारी, दक्षिण भारत वस्त्र अनुसंधान संघ, कोयम्बटूर ने उच्च उत्पादकता वाले हाथ से संचालित चरखे की प्रौद्योगिकी के क्षेत्र प्रसार पर परियोजना प्रस्तुत की, जिसे केवीआईसी द्वारा प्रारंभिक चरण के लिए वित्तपोषित किया गया था।

श्री के.रविकुमार, उप निदेशक, ग्रामीण ऊर्जा और अवसंरचना प्रभाग (एमजीआईआरआई), वर्धा ने खादी सेक्टर में मौजूदा उपकरणों और उपकरणों में सुधार के लिए एमजीआईआरआई द्वारा संशोधित नए मॉडल चरखे की फील्ड ट्रेल्स, शोधन और प्रसार पर पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया।

डॉ.सुनीता चौहान, प्रभारी, जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला, राष्ट्रीय कुमारप्पा हाथ कागज संस्थान, सांगानेर ने भी केले के तने से फाइबर निष्कर्षण के दौरान प्राप्त पानी निकालने की एंटी-माइक्रोबियल और कैंसर-रोधी क्षमता का आकलन करने पर अपनी पावरपॉइंट प्रस्तुति दी।

डॉ. संध्या अग्रवाल, राष्ट्रीय कुमारप्पा हाथकागज संस्थान, जयपुर द्वारा हस्तनिर्मित पेपर उद्योग में प्रयोग गोबर के तरल अवशेषों पर पावर पॉइंट प्रस्तुति दी। विज्ञान प्रौद्योगिकी समिति ने इस प्रस्ताव पर विचार कर परियोजना के लिए 13.4 लाख रुपये की स्वीकृति दी।

डॉ.अपूर्बा बंद्योपाध्याय, प्रोफेसर, बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, नादिया ने नादिया जिले में प्रकृति से कुछ रोगाणुओं के मूल्यांकन, सतत उत्पादन, प्रसंस्करण और मोबिल ऑयल निष्कर्षण इकाई के माध्यम से लेमनग्रास ऑयल के निष्कर्षण आदि पावरपांइट प्रस्तुति दी और हवन

(शेष पृष्ठ 15 पर)

मुंबई में पीएमईजीपी के तहत शीर्ष स्तरीय बैंकर्स बैठक सम्पन्न

मुख्य कार्यकारी अधिकारी का आवेदनों को मंजूरी देने में बैंकरों से सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह

पीएमईजीपी पर शीर्ष स्तरीय बैंकरों की बैठक 20 नवंबर, 2019 को मुंबई में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा ने की। बैठक में आयोग के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वाई. के. बारामतिकर, एमएसएमई मंत्रालय के उप सचिव श्री आर.आर. मीणा और अवर सचिव श्री अनिल कुमार, कॉर्पोरेशन बैंक के अधिकारी (पीएमईजीपी की नोडल बैंक) और राष्ट्रीयकृत, निजी और अग्रणी राज्य सहकारी बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने प्रारंभिक संबोधन में सभी हितधारकों को पीएमईजीपी योजना के तहत पिछले 3 वर्षों के लिए लक्ष्य प्राप्त करने के लिए बधाई दी। उन्होंने उल्लेख किया कि एमएसएमई मंत्रालय 1000 करोड़ रुपये तक मार्जिन मनी लक्ष्य को बढ़ाने के लिए तैयार है। उन्होंने, लंबित आवेदनों को स्वीकृत करने और निर्धारित समय में मार्जिन मनी का दावा करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के लिए बैंकर्स से अनुरोध किया।

उन्होंने बैंकरों को सूचित किया कि समय पर मार्जिन मनी का दावा करने के लिए उद्यमिता विकास कार्यक्रम प्रमाणपत्र के अवरोध को हल करने के लिए आयोग द्वारा ईडीपी प्रशिक्षण शुरू किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि

कार्यनिष्पादन की समीक्षा करने और बैंकरों को लंबित आवेदनों को निपटाने के लिए कार्य योजना तैयार करने में सक्षम बनाने और समय पर दावे को अच्छी तरह से प्रस्तुत

(शेष पृष्ठ 15 पर)

विविध

रामनाथपुरम में ईडीपी प्रशिक्षण आयोजित

पीएमईजीपी लाभार्थियों में कौशल विकास को बढ़ाने के लिए 9 नवंबर, 2019 को तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले के चिन्नंडी वलासाई गांव में एक ईडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

रुद्रप्रयाग में पीएमईजीपी जागरूकता शिविर

रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा करने और देश के आर्थिक विकास को गति देने के लिए आयोग के राज्य कार्यालय, देहरादून ने 15 नवंबर, 2019 को उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में पीएमईजीपी जागरूकता शिविर का आयोजन किया।

आयोग के राज्य कार्यालय, विजयवाड़ा द्वारा विद्युत चालित कुम्हारी चाक का वितरण

गुंटूर में आयोग के राज्य कार्यालय, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश द्वारा विद्युत चालित कुम्हारी चाक के साथ ब्लंगर मशीन के वितरण से गाँव के कुम्हार बहुत खुश थे। कार्यक्रम में पंचायत कार्यकारी अधिकारी, निदेशक आरसेटी, आंध्रा बैंक, उप निदेशक खादी बोर्ड उपस्थित थे।

आयोग के राज्य कार्यालय, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश ने नेल्लोर जिले के उत्तरी राजू पालम में 18.11.2019 को कुशल प्रशिक्षित ग्रामीण कुम्हारों के बीच विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित किए। इस अवसर पर आयोग के राज्य कार्यालय, विजयवाड़ा के उप निदेशक उपस्थित थे। कार्यक्रम में लगभग 100 स्थानीय कारीगरों ने भाग लिया।

जम्मू में चर्म कौशल कार्यक्रम के तहत उन्नत चर्म टूल किट वितरित

सामाजिक और आर्थिक रूप से चर्म कारीगरों को मजबूत करने के लिए आयोग के राज्य कार्यालय, जम्मू ने 3 नवंबर, 2019 को अखनूर, जम्मू के चर्म कारीगरों के बीच उन्नत चर्म के टूल्स किट वितरित किए ताकि उन्हें बेहतर जीवनयापन करने में मदद मिल सके।

विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरण कार्यक्रम

आयोग के राज्य कार्यालय, आंध्र प्रदेश द्वारा 14 नवंबर, 2019 को कृष्णा जिले के नुन्ना गाँव में ग्रामीण कुम्हार कारीगरों को आयोग के कुम्हार सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित किये, यह पहल ग्रामीण सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

जयपुर में 7 वीं आंचलिक समीक्षा बैठक

आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तर क्षेत्र श्री एस. एन. शुक्ला ने वित्तीय वर्ष की 7 वीं आंचलिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए 20 नवंबर 2020 को जयपुर, राजस्थान में जम्मू और कश्मीर, दिल्ली, हरियाणा राज्यों के खादी ग्रामोद्योगी कार्यक्रमों की उपलब्धि पर चर्चा की। , बैठक में आयोग के पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान राज्य कार्यालयों के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

देहरादून में पीएमईजीपी पर जागरूकता शिविर

16.11.2019 को राज्य कार्यालय, देहरादून द्वारा खंड विकास, ब्लॉक सभागार, ऊखीमठ, जिला- रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड) के पहाड़ी क्षेत्र में पीएमईजीपी पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 75 स्थानीय बेरोजगार युवाओं ने भाग लिया।

सिरमौर में कुम्हार सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत कौशल उन्नयन प्रशिक्षण

आयोग के राज्य कार्यालय, शिमला द्वारा ग्राम हरिपुर खोल, जिला सिरमौर में 18 से 27 नवंबर तक 20 कारीगरों के लिए कुम्हार सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत कौशल उन्नयन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कारीगरों के बीच विद्युत चालित कुम्हारी चाक के साथ ब्लंगर और प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

मदुरै में कुम्हारी प्रशिक्षण कार्यक्रम

आयोग के मंडलीय कार्यालय, मदुरै ने पठानियापुरम, मदुरै में 10 दिवसीय कुम्हारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया, जहाँ 60 कारीगरों को प्रशिक्षित किया गया। सफल प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षुकों को प्लंजर मशीन के साथ विद्युत चालित कुम्हारी चाक का वितरित किया गया।

इस अवसर पर एलडीएम, डीडीएम-नाबार्ड, कॉयर बोर्ड के एसबीएम - एनएसआईसी के अधिकारियों, एमएसएमई-डीआई और एमडीएसएस सचिव ने कार्यक्रम में भाग लिया।

मदुरै में हनी मिशन के तहत 250 मधुमक्खी बॉक्स और टूल किट वितरित

आधुनिक मधुमक्खीपालन को लोकप्रिय बनाने और लोगों की आर्थिक स्थिति के उत्थान के उद्देश्य से तमिलनाडु के थेनी जिले में के लाभार्थियों को आयोग के मण्डलीय कार्यालय, मदुरै ने हनी मिशन के तहत 250 मधुमक्खी के बक्से और टूल किट का वितरण किया।

(पृष्ठ 10 से आगे.....)

विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर समिति की 5वीं बैठक में विकास और नवाचार पर जोर

समाग्री, एनर्जी ब्रिकिट्स, हैंडमेड पेपर आदि जैसे मूल्यवर्धित उत्पादों के विकास संबंधी कुछ अन्य मुद्दे पर भी प्रकाश डाला।

छह पेटेंट प्रस्तावों के बारे में जानकारी देने के बाद, समिति ने डॉ. साक्षी अग्रवाल को निर्देश दिया कि केवीआईसी के अनुभवजन्य सलाहकारों के माध्यम से पेटेंट आवेदन दाखिल करें।

सलाहकारों को सूचीबद्ध करने के लिए जीएफआर मानदंडों के प्रावधानों को अमल कर सीपीपी पोर्टल के माध्यम से अभिरुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जा सकती है।

पेटेंट आवेदनों पर विचार करने और भरने के लिए अनुमोदित दरों पर निधि जारी करने हेतु सैद्धतिक अनुमोदन के विस्तृत संज्ञान एवं पुनरीक्षण के लिए निदेशक, हाथकागज निदेशालय को निर्देश दिया गया और संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी को निर्देशित किया गया कि हाथ कागज और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के निदेशकों के बीच आंतरिक बैठकें करें, ताकि अन्य तकनीकी, प्रधान व्यय और पेटेंट की समय सीमा आदि को लागू करते समय अनुप्रयोगों के आविष्कारकों की सूची, सलाहकार की नियुक्ति, अनुसंधान सलाहकार निकाय को अंतिम रूप दिया जा सके।

(पृष्ठ 11 से आगे.....)

मुख्य कार्यकारी अधिकारी का आवेदनों को मंजूरी देने में बैंकरों से सक्रिय भूमिका.....

करने के लिए यह सही समय है।

एमएसएमई मंत्रालय के अवर सचिव श्री अनिल कुमार ने बताया कि यद्यपि पिछले 3 वर्षों के लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया गया है, मंत्रालय इस वर्ष मार्जिन मनी के लक्ष्य को 2247 करोड़ रूपये से 3000 करोड़ रूपये बढ़ा सकता है। ।

उन्होंने सभी बैंकरों से आग्रह किया कि वे नई परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए वित्तपोषण बैंकों को तैयार करें और बैंकों द्वारा पहले से स्वीकृत परियोजनाओं के संबंध में दावा प्रस्तुत करें जिन्हें अभी तक मार्जिन मनी दावे के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।

इससे पहले, आयोग के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वाई. के. बारामतिकर ने अध्यक्ष का स्वागत करते हुए पीएमईजीपी प्रगति के बारे में जानकारी दी और वर्ष 2019-20 के लिए लक्ष्य प्राप्त करने की प्रगति और आगे की कार्य योजना पर चर्चा की।

आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पीएमईजीपी श्री एम. राजन बाबू ने वर्तमान वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए राज्य-वार और बैंक-वार पीएमईजीपी योजना पर कार्य निष्पादन प्रस्तुत किया।

उन्होंने यह भी बताया कि ईडीपी ऑनलाइन प्रशिक्षण पोर्टल और मोबाइल ऐप को डिजाइन, विकसित किया गया है। इस ऑनलाइन ईडीपी पोर्टल को पीएमईजीपी ई-पोर्टल (www.kviconline.gov.in/ pmegp) या KVIC वेबसाइट (www.kvic.org.in) के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। पोर्टल को U R L : www.kvic.udyami.org.in के माध्यम से भी एक्सेस किया जा सकता है।

आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पीएमईजीपी ने बैंकों को वित्तपोषण के बारे में पीएमईजीपी ई-पोर्टल पर बाद के ऋण रिलीज को अद्यतन करने पर प्रस्तुति दी। इसके बाद, प्रतिभागियों के समक्ष ईडीपी ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रणाली प्रस्तुत की गई। आइआइडी (सामाधन) के अध्यक्ष श्री मुकेश कुमार शुक्ला ने प्रतिभागियों के समक्ष ई-मार्केटिंग सहयोग हेतु खादी ग्रामोद्योगी/ पीएमईजीपी उत्पादों के लिए ई-कॉमर्स पोर्टल पर प्रस्तुतिकरण किया।

खादी ने लगाई फिर छलांग : 2018-19 में टर्नओवर 74,323 करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली: आर्थिक मंदी पर बहस करने के पश्चात, माना जाता है कि पांच वर्ष पूर्व तक 'दादाजी' और 'नेताजी' के साथ टैग किए जाने वाले खादी क्षेत्र ने काफी ऊंची छलांग लगाई है अर्थात विकास में वृद्धि हुई है। खादी का उत्पादन वर्ष 2014-15 में 879.98 करोड़ रुपये था, 2018-19 में 1902 करोड़ रुपये हो गया, जो कि 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है। इसी तरह, वर्ष 2014-15 में खादी की बिक्री 1310.9 करोड़ रुपये थी, जो 2018-19 में 3215.13 करोड़ रुपये हो गई है, अर्थात 145 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है।

वर्ष 2018-19 में खादी का कुल कारोबार 74,323 करोड़ रुपये से अधिक होने से खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना को विश्वास नहीं होता कि यह इस अप्रयुक्त क्षेत्र की अधिकतम सीमा है। उन्होंने आगे बताया कि जबकि ग्रामोद्योग में वर्ष 2014-15 में 31,965.52 करोड़ रु. का कारोबार हुआ तथा वर्ष 2018-19 में यह 71,123.68 करोड़ रुपये तक पहुंच गया अर्थात वृद्धि दर 123 प्रतिशत रही, विगत पाँच वर्षों में खादी ने खादी वस्त्र उत्पादन में 62 प्रतिशत की औसतन छलांग लगाई है अर्थात 2014-15 में 103.22 मिलियन वर्गमीटर से 2018-19 में 170.80 मिलियन वर्ग मीटर तक।वित्त वर्ष 2014-15 में, कुल वस्त्र उत्पादन में खादी की हिस्सेदारी 4.23 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2018-19 में 8.49 प्रतिशत हो गई है, अर्थात लगभग दोगुनी है। ”

कारीगर केंद्रित पहल एक बड़ा प्रभाव डाल सकती है, इस पर जोर देते हुए, श्री सक्सेना ने कहा कि विगत 3 से 5 वर्षों के दौरान, केवीआईसी ने 32,000 से अधिक नए मॉडल चरखे और 5,600 आधुनिक करघे प्रदान किए, जिससे खादी उत्पादन में वृद्धि हुई।

इस अवधि के दौरान, 40,000 से अधिक नए खादी कारीगरों के साथ 376 नए खादी संस्थाओं को जोड़ा गया है। केवीआईसी ने खादी के माध्यम से देश के सबसे दूरस्थ हिस्से जैसे लेह, लद्दाख, काजीरंगा वन, पश्चिम बंगाल में सुंदरबन आदि में भी रोजगार सृजन किया है।

"हमने पहली बार खादी क्षेत्र में रेमंड्स, अरविंद मिल्स और आदित्य बिड़ला जैसे बड़े टेक्सटाइल कॉरपोरेट को खादी की मार्केटिंग हेतु शामिल किया, जिससे खादी की बिक्री कई गुना बढ़ गई है। केवीआईसी, खादी क्षेत्र में प्रमुख सार्वजनिक उपक्रमों को भी जोड़ा गया, जिन्होंने अपने कर्मचारियों को कूपन गिफ्ट स्वरूप में दिया, इससे आयोग ने 100 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है। ”

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने PayTM, Shop'nShop के माध्यम से ई-मार्केटिंग की शुरुआत को भी रेखांकित किया और खादी को बढ़ावा देने के लिए खादी पोशक और औपचारिक गाउन को अपनाने के लिए विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, स्कूलों, नगर निकायों आदि से संपर्क कर, जिसने युवा पीढ़ी के बीच खादी की पहुंच को बढ़ाया है और इसे खरीदार के अनुकूल बनाया है।

उन्होंने कहा, " लेडीज वेस्टर्न वियर, मोदी जैकेट, मोदी कुर्ता, विचार वस्त्र और अन्य हाई-एंड उत्पादों जैसे नए ट्रेंडी डिजाइनों की शुरूआत ने उच्च गुणवत्ता वाले सिलाई के साथ खादी की छवि को बदल दिया है।

ऑनलाइन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर अभिमुखता कार्यक्रम

ऑनलाइन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए 22 नवंबर, 2019 को एक बैठक राज्य कार्यालय, गुजरात में आयोजित की गई। बैठक में गुजरात की प्रमुख खादी संस्थाओं ने भाग लिया।

आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, विपणन श्री आर. एस. पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में गुजरात खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के सचिव श्री कमल टेलर और आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री एस. जी. हेडाऊ की उपस्थिति थे।

बैठक में गुजरात की खादी संस्थाओं ने तेजी बढ़ती ई-कॉमर्स प्रणाली में गहरी रुचि दिखाई।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर शपथ समारोह की झलकियां

प्रेस कवरेज

400 रेलवे स्टेशनों पर मिट्टी के कुल्हड़ में मिलेगी चाय

तिर्वा | हिन्दुस्तान संवाद

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा है कि भारत सरकार ने 400 रेलवे स्टेशनों पर कुल्हड़ में चाय बिक्री करने का आदेश जारी कर दिया है। इसका सीधा लाभ कुंभकार समाज को मिलेगा। उन्होंने जिलेभर के 300 लाभार्थियों को 90 प्रतिशत अनुदान पर बिजली चालित चाक, मौन पालक बक्से व चर्म शिल्पकारों को किट बांटी।

रविवार को राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्रेक्षाग्रह में कार्यक्रम में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग अध्यक्ष ने कहा कि खादी ग्रामोद्योग की योजनाओं से अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को भी रोजगार मिलेगा। इससे गरीबों, किसानों व मजदूरों की आय में भी बढ़ोत्तरी होगी। सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्रालय की ओर से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ आयोग अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना, भाजपा सांसद सुब्रत पाठक व जिलाध्यक्ष आनन्द सिंह द्वीप प्रज्जवलित कर किया। अध्यक्ष ने कहा कि कुम्हार समाज के लिए भारत सरकार ने अति महत्वाकांक्षी योजना शुरू की गई है। इसमें 90 प्रतिशत अनुदान पर बिजली चलित चाक दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 400 रेलवे स्टेशनों पर कुल्हड़ में चाय मिलने से प्रतिदिन लाखों मिट्टी के कुल्हड़ों की खपत होगी, इससे कुंभकार की आमदनी बढ़ेगी।

बोले अध्यक्ष

- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग अध्यक्ष ने 300 लाभार्थियों को बांटीं मशीनें व मौन पालक बक्से
- बोले, समाज के अन्तिम व्यक्ति को मिलेगा लाभ, चर्म शिल्पकारों को बक्से भी मिले

किसानों को मौन (मधुमक्खी) पालन के लिए 10-10 बॉक्स 90 प्रतिशत अनुदान मिले। चर्म शिल्पकारों को भी किट की पेटियां दी गईं। सांसद सुब्रत पाठक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से चलाई जा रहीं कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। डीएम रवींद्र कुमार ने खादी एवं ग्रामोद्योग की ओर से चल रही योजनाओं के बारे में बताया।

इस मौके पर उप निदेशक सूर्यकांत मिश्र, सहायक निदेशक एके मिश्र, एमके निगम, एचएन मीणा, राधेश्याम, कार्यकारी रामप्रकाश विश्वकर्मा व दर्शन सिंह, भाजपा मंत्री नरेन्द्र राजपूत, उमर्दा ब्लॉक प्रमुख अजय वर्मा, नगर सांसद प्रतिनिधि प्रभात वर्मा, वीर सिंह भदौरिया, शिवकुमार, मोहित राजपूत मोंटी समेत कई भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता रहे।

अगरबत्ती उद्योग बनेगा कुटीर उद्योग, देश में फैलेगी महक: खादी ग्रामोद्योग के कार्यक्रम में सांसद सुब्रत पाठक ने आगे बिजली चलित अगरबत्ती मशीन भी लाभार्थियों को 90 प्रतिशत अनुदान पर दी जाएंगी।

अगरबत्ती उद्योग में महिलाएं भी काम कर सकेंगी। इस उद्योग को कुटीर उद्योग में रखा जाएगा। पहले अगरबत्ती वियतनाम देश में बनती थी, लेकिन अब अगरबत्ती कन्नौज में बनकर पूरे देश में महक फैलाएगी।

रैका लबाना में बांटी 40 इलेक्ट्रिक पॉटरी मशीनें

जागरण संवाददाता, जम्मू : भारत सरकार के खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने अपनी महत्वाकांक्षी 'कुम्हार सशक्तिकरण योजना' के तहत सांबा जिला के रैका लबाना इलाके के 40 ग्रामीणों में मिट्टी के बर्तन बनाने वाली इलेक्ट्रिक पॉटरी मशीनें वितरित कीं।

कुम्हारों में इलेक्ट्रिक पॉटरी मशीनें वितरित करने के बाद केवीआइसी के राज्य निदेशक डीएस भट्टी ने कहा कि यह मशीनें कुम्हारों की ताकत को बढ़ा देंगी। यह मशीन न केवल कुम्हारों के श्रम को बचाएगी, बल्कि मशीन कहीं सहजता से वह न्यूनतम समय में सर्वोत्तम गुणवत्ता के मिट्टी के बर्तन बना सकेंगे। डीएस भट्टी ने 'कुम्हार सशक्तिकरण योजना' के माध्यम से उनके उत्थान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन इलेक्ट्रिक पॉटरी मशीनों से कुम्हार कुल्हड़ बना सकेंगे। इससे कुम्हारों की आय भी बढ़ेगी। मिट्टी के आधुनिक बर्तन के उद्योग के बढ़ने से प्लास्टिक के इस्तेमाल पर रोक लग सकेगी। उन्होंने ग्रामीणों को हनी मिशन, लेदर मिशन, बम्बू मिशन, अगरबत्ती मिशन व अन्य रोजगार उन्मुखी योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने वहां ग्राम सभा का भी आयोजन किया।

इस मौके पर असिस्टेंट डायरेक्टर अनिल कुमार शर्मा, सरपंच यशपाल सिंह समेत कई गणमान्य लोग भी मौजूद थे।

ग्रामीणों को संबोधित करते खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक डीएस भट्टी • जागरण

सिटफिकेट देकर सम्मानित किया गया। प्रो. एसके शर्मा का अभिनंदन किया। बीकयपीडिया पर व्याख्यान दिया।

खादी निर्यात के लिए इंटरनेशनल लेवल की पैकिंग करें

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र: खादी के उत्पाद किसी भी मामले में इंटरनेशनल मार्केट तथा ब्रांडिड उत्पादों से कम नहीं हैं बशर्ते कि इनकी अच्छी पैकिंग तथा मार्केटिंग की जाए। सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव अरुण कुमार पांडा ने कुरुक्षेत्र में खादी ग्रामोद्योग संघ मिर्जापुर नरड़ का दौरा करने के पश्चात यह निर्देश दिए। उनके साथ के वीड़सी के राज्य निदेशक यशपाल सिंह तथा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

खादी ग्रामोद्योग संघ मिर्जापुर नरड़ में पहुंचने पर सुक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव अरुण कुमार पांडा को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए सतपाल सैनी व अन्य • फोटो सौजन्य संस्था

संस्था के सचिव सतपाल सैनी ने अरुण कुमार पांडा तथा यशपाल सिंह सहित अन्य अधिकारियों का स्वागत किया। इस मौके पर केंद्र में पौधारोपण भी किया गया। संस्था के सचिव सतपाल सैनी के साथ आरडीपी के अंतर्गत कातने वाले कामगारों व बुनकरों से मिले। पांडा ने विस्तार से कारीगरों के साथ उनके काम और समस्याओं बारे चर्चा की।

पांडा ने माना कि खादी का विस्तार अब विदेशों में भी बहुत तेजी से हो रहा है और विदेशों में भी खादी लोगों की पसंद बनती जा रही है। इस दौरान पांडा ने खादी केन्द्र पर काम कर रहे लोगों का मार्गदर्शन किया कि कैसे खादी के कपड़ों को ब्रांडिड बनाकर लोगों तक पहुंचाया जाए।

पांडा ने कहा कि नेशनल फैशन इंस्टीट्यूट आफ डिजाइनिंग के साथ मिलकर खादी में काम कर रहे कामगारों और कर्मचारियों को मार्केट की नई मांग के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। मार्केट के अच्छे ब्रांड को फॉलो कर अपनी कमियों को भी खोजना चाहिए कि खादी की अच्छी बिक्री कैसे की जाए। उन्होंने कहा कि खादी केन्द्रों को अपने उत्पाद मुम्बई, चेन्नई, हैदराबाद इत्यादि मैट्रो सिटी तक भी पहुंचाना चाहिए। इससे खादी के कपड़े अच्छे रेट और लाभ के साथ बिकेंगे तो बुनकरों और कामगारों को भी अच्छा पैसा मिलेगा।

Chairman, Mumbai Port Trust launched the project.

KVIC takes action against Sales Outlets Found Indulging Malpractices

KVIC takes action against sales outlets found indulging malpractices in a swift but stern action taken by KVIC management, 11 out of 13 outlets of MKVIA, a recognized institutions of KVIC were sealed for indulging in unfair trade practice. Mumbai Khadi association is one of the oldest directly aided Khadi Institution associated with KVIC. The revelations began when during the year 2017-18, as part of a regular physical verification of Khadi Bhawans of the association , the KVIC officials took several samples of the fabric. On testing of the samples it was observed that the samples were proved to be non-Khadi. The KVIC, taking serious note of this malpractice issued a show cause notice to the Mumbai Khadi association and warned against for stern action. A complaint was also filed by a consumer against the same store, for selling non-Khadi products in the name of Khadi The KVIC management took this matter very seriously and after giving due opportunity to the Mumbai Khadi Association to explain their conduct. KVIC revoked the Khadi Mark and Khadi Certificate given to association June 2019.

AAI All India Inter Zonal Badminton [illegible] commenced at Mumbai

PRESS INFORMATION BUREAU
GOVERNMENT OF INDIA

Millennium Post, Delhi
Tuesday, 5th November 2019; Page: 2
Width: 67.11 cms; Height: 25.04 cms; a3r; ID: 2.2019-11-05.16

FROM PERFUMERIES TO APIARIES

Kannauj all set to regain its lost glory

OUR CORRESPONDENT

In August this year, Prime Minister Narendra Modi asked Subrat Pathak, Lok Sabha MP from Kannauj (UP), why high quality honey can't be produced in Kannauj which has lots of flora fauna around it for perfumeries. He also told him to meet VK Saxena, Chairman, Khadi and Village Industries Commission (KVIC) to explore the possibility.

Pathak met Saxena and discussed the issue and later, the KVIC chairman deputed a team of experts in September 2019 to explore the possibility of beekeeping activities in Kannauj. Survey report suggested high potential for not only beekeeping activities but also for pottery and leather activities. Today in less than 3 months time, Kannauj has witnessed historic event, aligned with the vision of Prime Minister Modi.

Chairman KVIC VK Saxena along with Member of Parliament, Kannauj, Subrata Pathak, distributed 1000 Bee Boxes to 100 local farmers, 100 high tech Electric Pottery Wheels to 100 kumhar families and 100 Advanced Leather tools Kits to 100 leather artisans (mochies) in Kannauj in the Medical college campus which was full of local people. Kannauj which is also called the Perfume Capital of India, has a history of perfume industry since more than thousand years. Various varieties of flowers and agricultural plants are a part of the primary livelihood in the town.

In order to tap the environmental setup of the region and encourage the local youth so as to explore possibilities of livelihood in apiculture and products made of bee wax, pottery and leather, KVIC identified 400 artisans for training, 250 out of which belonged to the Scheduled Caste and Other Backward Categories. KVIC completed the training in October.

Saxena said, "Kannauj has a huge scope for Bee Keeping industry due to its rich flora. This initiative would enhance the production of flowers in the region, and thus help in increasing the production of perfumes. The honey produced in the process will also be one of the best kinds of honey in the country. Also the production of bee wax can be complimented with the various varieties of perfumes to produce a range of new and unique products such as hair gel wax, scented bee wax candles, wax oil etc. Not only this, the pottery wheels and advanced leather tools kits will also help prevent youth from migrating to other jobs from their existing traditional art forms."

Hailing the initiative taken by KVIC, Subrata Pathak said, "This initiative of KVIC will benefit 100 families of Bee Keepers, 100 potters and 100 leather artisans in the region. It would help multiply the livelihood manifolds and reduce migration of youth to the cities. Above all this initiative will complement the existing perfume industry and help to reinvent, with a new zeal and business ideas." Interestingly Kannauj once upon a time was hub of Agarbatti manufacturers, which later declined due to imports. KVIC chairman announced that 5,000 Agarbatti manufacturing machines will be setup in Kannauj by March 2020 under PMEGP.

Quite noticeably, earlier the Kannauj Parliamentary constituency was represented by Dimpal Yadav, daughter in law of first family of UP but no such initiatives were ever taken to create job opportunities for locals. This step of KVIC has created 750 direct jobs in Kannauj and will certainly help support the existing industry of perfumes in the region, while creating new avenues of growth and livelihood for the people of Kannauj. Saxena and Pathak also planted 500 bamboo saplings of Bamboosa Tulda varieties, apt for Agarbatti manufacturing.

3 नवम्बर को होगा विद्युत चाक, टूल किट मौनपालन बाक्स वितरण कार्यक्रम

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

कन्नौज। खादी और ग्रामोधोग आयोग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जिला कन्नौज में चर्म मिशन के तहत 100 चर्म शिल्पकारों को एक दिवसीय प्रशिक्षण देकर टूल किट वितरण तथा 100 परम्परागत कुम्हारों को 10 दिवसीय प्रशिक्षण देकर उन्हें विद्युत चालित चाक वितरण किये जाने का लक्ष्य व मौन पालन मिशन के तहत 100 किसानों को मौनपालन का प्रशिक्षण देकर उन्हें 1000 मौन पालन बाक्स वितरण किये जाने का लक्ष्य था। उक्त परिपेक्ष्य में राज्य कार्यालय खादी और ग्रामोधोग आयोग लखनऊ के द्वारा कुम्हारी मिशन के तहत 100 कुम्भकारों को और चर्म शिल्प मिशन के तहत 100 चर्म शिल्पकारों को तथा मौनपालन मिशन के तहत 100 किसानों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षणोपरान्त जनपद के सभी प्रशिक्षित कारीगरों को आगामी 03 नवम्बर 2019 को मेडिकल कॉलेज सभागार तिर्वा जिला कन्नौज में वितरण कार्यक्रम आयोजित कर खादी और ग्रामोधोग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना तथा सासंद कन्नौज सुब्रत पाठक के द्वारा जनपद के प्राशिक्षित कारीगरों को 100 विद्युत चालित चाक, 100 चर्म शिल्प किट तथा 1000 मौन पालन बाक्सों का वितरण किया जायेगा। इससे क्षेत्र के लगभग 1000 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध होगा।

प्रेस कवरेज

खादी बिक्री के लिए अच्छी पैकिंग करनी होगी : पांडा

कुरुक्षेत्र। खादी के उत्पाद किसी भी मामले में इंटरनेशनल मार्केट तथा ब्रांडिड उत्पादों से कम नहीं हैं। बशर्ते कि इन की अच्छी इंटरनेशनल स्तर की पैकिंग तथा मार्केटिंग की जाये। सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (भारत सरकार) के सचिव अरुण कुमार पांडा आईएएस ने कुरुक्षेत्र में खादी ग्रामोद्योग संघ मिर्जापुर नरड़ को दौरा करने के पश्चात यह सुझाव एवं निर्देश दिए। उनके साथ के वीईसी के राज्य निदेशक यशपाल सिंह तथा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

संस्था के सचिव सतपाल सैनी के साथ आरडीपी के अंतर्गत कातने वाले कामगारों व बुनकरों से मिले। पांडा ने विस्तार से कारीगरों के साथ उनके काम और समस्याओं बारे चर्चा की। उन्होंने माना कि खादी का विस्तार अब विदेशों में भी बहुत ही तेजी से हो रहा है और विदेशों में भी खादी लोगों की पसंद बनती जा रही है। इस दौरान पांडा ने खादी केंद्र पर काम कर रहे लोगों का मार्गदर्शन किया।

विदेशों में खादी की बिक्री के लिए इंटरनेशनल लेवल की पैकिंग करनी होगी

सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव मिर्जापुर नरड़ दौरे के दौरान बोले

खादी को बढ़ावा

बेहतर मार्केटिंग करने की भी आवश्यकता

दीवाल ग्रामोद्योग संस्थान की इकाई का भी दौरा किया

निरंकारी सत्संग में देश-विदेश

कपाल मोचन तीर्थ सरोवर पर उमड़ा स्थानीय श्रद्धालुओं का सैलाब

युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया

कार्यशाला

अगस्त्यमुनि | हमारे संवाददाता

आवेदन

- विभिन्न रोजगार पाने के लिए 20 युवाओं ने किया ऑनलाइन आवेदन
- प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम को लेकर हुई कार्यशाला

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम को लेकर एक दिवसीय उद्यमिता जागरूक कार्यशाला का आयोजन किया गया। ब्लॉक सभागार अगस्त्यमुनि कार्यशाला में विभिन्न रोजगार के लिए 20 से अधिक युवाओं ने ऑनलाइन आवेदन भी किए।

कौशल विकास एवं उद्यमशील मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशन में राष्ट्रीय उद्यमिता, लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निसबड) देहरादून एवं जिला उद्योग केन्द्र रुद्रप्रयाग के संयुक्त सहयोग में आयोजित कार्यशाला में युवाओं को विभिन्न विषय विशेषज्ञों, बैंकर्स एवं विभागों के अधिकारियों द्वारा सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं बैंकों के ऋण के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के आयोजक एवं निसबड के प्रोग्राम निदेशक एलपी भट्ट ने बताया कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं को रोजगार के नये अवसर उपलब्ध कराने भारत सरकार प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। योजना के अन्तर्गत सभी क्षेत्रों में नई ग्रामोद्योग परियोजनायें, उत्पादन/सेवा उद्योग आदि स्थापित किया जा सकते हैं। खादी ग्रामोद्योग आयोग के सहायक निदेशक बीएस कण्डारी एवं जेएस मलिक ने बताया कि इस योजना में ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत के उपयोग या बिना उपयोग के कोई भी उत्पाद तैयार करना या सेवा प्रदान करना जिसमें प्रति कारीगर मैदानी क्षेत्र में एक लाख एवं ग्रामीण क्षेत्र में डेढ़ लाख रूपये से अधिक न हो, ऐसा उद्योग स्थापित किया जा सकता है। इस योजना के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता आठवीं पास है। परियोजना लागत विनिर्माण क्षेत्र के लिए 10 लाख और सेवा क्षेत्र के लिए पांच लाख रखी गई है। इस योजना में लाभार्थी का चयन करने के लिए जिला कार्यदल समिति द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से किया जाता है। लाभार्थी को परियोजना प्रस्ताव, आबादी प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्ता प्रमाण पत्र व तकनीकी योग्यता प्रमाण पत्र, जाति प्रमाणपत्र के साथ अपनी फोटो एवं आधार कार्ड भी लगाना होगा। उद्योग का सफलतापूर्वक संचालन होने के बाद योजनाओं को विस्तार देने के लिए भी ऋण की व्यवस्था की गई है। उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबन्धक हिमांशु रावत ने बैंक सम्बन्धी जानकारी दी। खण्ड विकास अधिकारी सीपी सेमवाल ने युवाओं को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की नसीहत देते हुए स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में उद्योग विभाग की ऊषा सेमवाल, आरसेटी के बीरेन्द्र बर्त्वाल, आईटीआई के प्रशान्त, डीसीओ डीडी जमलोकी, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के विकास कुमार आदि ने भी सम्बोधित किया। कार्यशाला में दो सौ से भी अधिक युवाओं ने प्रतिभाग किया। इस मौके पर निसबड के राकेश पैन्यूली, आरटेक के कालिका काण्डपाल, अनूप चन्द्र, प्रधान बृजभूषण वशिष्ठ, पूर्व प्रधान बलबीर लाल सहित आदि मौजूद थे।

खादी विदेशों में बिक्री के लिए करनी होगी इंटरनेशनल लेवल की पैकिंग

कुरुक्षेत्र, 9 नवंबर (हप्र)

खादी के उत्पाद किसी भी मामले में इंटरनेशनल मार्केट तथा ब्रांडिड उत्पादों से कम नहीं हैं बशर्ते कि इनकी अच्छी इंटरनेशनल स्तर की पैकिंग तथा मार्केटिंग की जाए। सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (भारत सरकार) के सचिव अरुण कुमार पांडा ने कुरुक्षेत्र में खादी ग्रामोद्योग संघ मिर्जापुर नरड़ को दौरा करने के पश्चात यह सुझाव एवं निर्देश दिए। उनके साथ के वीईसी के राज्य निदेशक यशपाल सिंह तथा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। संस्था के सचिव सतपाल सैनी ने अरुण कुमार पांडा तथा यशपाल सिंह सहित अन्य अधिकारियों का स्वागत किया। इस मौके पर भारत सरकार तथा राज्य सरकार ने केन्द्र में पौधरोपण भी किया। वे संस्था के सचिव सतपाल सैनी के साथ आरडीपी के अंतर्गत कातने वाले कामगारों व बुनकरों से मिले। पांडा ने विस्तार से कारीगरों के साथ उनके काम और समस्याओं बारे चर्चा की। उन्होंने माना कि खादी का विस्तार अब विदेशों में भी बहुत ही तेजी से हो रहा है और विदेशों में भी खादी लोगों की पसंद बनती जा रही है। इस दौरान पांडा ने खादी केन्द्र पर काम कर रहे लोगों का मार्गदर्शन किया कि कैसे खादी के कपड़ों को ब्रांडिड बनाकर लोगों तक पहुंचाया जाए। इस अवसर पर सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (भारत सरकार) के सचिव पांडा ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के निकट पीएनबी के साथ गुरुकुल के सामने खादी भवन का उद्घाटन भी किया।

कुरुक्षेत्र के मिर्जापुर नरड़ में शुक्रवार को सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव अरुण कुमार पांडा को स्मृति चिन्ह देते खादी ग्रामोद्योग संघ के पदाधिकारी। -हप्र

मुंबईतील खादी भंडारांना खादी आयोगाने केले सील

। मुंबई। खादी आणि ग्रामोद्योग आयोगाच्या (केव्हीआयसी) व्यवस्थापनाने कठोर आणि झटपट कारवाई करून खादी आणि ग्रामोद्योग आयोगाची मान्यता असलेल्या मुंबईतील खादी आणि ग्रामोद्योग संघाच्या १३ पैकी ११ दुकानांना सील ठोकले आहे. या दुकानांमध्ये खादीच्या नावाखाली बिगर खादी उत्पादने विकण्याचा गैरव्यवहार होत असल्यामुळे ही कारवाई करण्यात आली.

बनावट माल विकल्याप्रकरणी कायदेशीर कारवाई

२०१७-१८ साली खादी ग्रामोद्योग संघाच्या मुंबईतील दुकानांतील मालाची तपासणी करत असताना केव्हीआयसीच्या अधिकाऱ्यांना खादीऐवजी अन्य उत्पादने आढळली होती. केव्हीआयसीने या गंभीर गैरव्यवहारासाठी मुंबई खादी संघाला कारणे दाखवा नोटीस बजावली होती आणि गंभीर इशारादेखील दिला होता. या आधी याच दुकानाच्या विरोधात एका ग्राहकाने खादीच्या नावाखाली बिगर खादी उत्पादन विकण्याची तक्रार करण्यात आली होती. खादी आयोगाने ही बाब गांभीर्याने घेऊन जून २०१९ मध्ये मुंबई खादी संघाचे खादी मार्क प्रमाणपत्र रद्द केले होते. तरीदेखील मुंबई संघाकडून विक्री सुरूच ठेवण्यात आली होती. तसेच केव्हीआयसीचे २ कोटींचे कर्जदेखील मुंबई खादी संघाने थकवले आहे. यामुळे केव्हीआयसीने कायदेशीर कारवाई करत मुंबई खादी संघाच्या १३ पैकी ११ दुकानांना टाळे ठोकले आहे.

राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मार्किट के लिए नए डिजाईन उतारना जरूरी : पांडा

सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव अरुण कुमार पांडा खादी केन्द्र का निरीक्षण करते हुए। (दुग्गल)

कुरुक्षेत्र (जसबीर दुग्गल) : खादी के उत्पाद किसी भी मामले में इंटरनैशनल मार्किट तथा ब्रांडिड उत्पादों से कम नहीं हैं। बशर्ते कि इंटरनैशनल स्तर की पैकिंग तथा मार्किटिंग की जाए। सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (भारत सरकार) के सचिव अरुण कुमार पांडा ने कुरुक्षेत्र में खादी ग्रामोद्योग संघ मिर्जापुर नरड़ को दौरा करने के पश्चात यह सुझाव एवं निर्देश दिए। उनके साथ के वीईसी के राज्य निदेशक यशपाल सिंह तथा अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। संस्था के सचिव सतपाल सैनी ने अरुण कुमार पांडा तथा यशपाल सिंह सहित अन्य अधिकारियों का स्वागत किया। इस मौके पर भारत सरकार तथा राज्य सरकार ने केन्द्र में पौधरोपण भी किया। संस्था के सचिव सतपाल सैनी के साथ आरडीपी के अंतर्गत कातने वाले कामगारों व बुनकरों से मिले। पांडा ने विस्तार से कारीगरों के साथ उनके काम और समस्याओं बारे चर्चा की। इस दौरान पांडा ने खादी केन्द्र पर काम कर रहे लोगों का मार्गदर्शन किया कि कैसे खादी के कपड़ों को ब्रांडिड बना कर लोगों तक पहुंचाया जाए। इस अवसर पर सचिव पांडा ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के निकट खादी भवन का उद्घाटन भी किया। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

जागरूकता लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव ने खादी ग्रामोद्योग संघ मिजार्पुर का दौरा किया

मार्केट में मुकाबले के लिए नए डिजाइन की जरूरत

आज समाज नेटवर्क

अरुण कुमार पांडा व अन्य अधिकारी खादी केंद्र का निरीक्षण करते हुए।

प्रेस कवरेज

अनुचित व्यापार व्यवहार में लिप्त बिक्री आउटलेट्स के खिलाफ केवीआईसी ने उठाये कदम

मुंबई। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) प्रबंधन द्वारा की गई एक तत्पर एवं कठोर कार्रवाई में खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त मुंबई खादी और ग्रामोद्योग संघ के 13 में से 11 आउटलेट संस्थान को अनुचित व्यापार व्यवहार में लिप्त होने के कारण सील कर दिया गया है।

मुंबई खादी एसोसिएशन केवीआईसी से जुड़ी सबसे पुरानी सहायता प्राप्त खादी संस्था से संबद्ध है। इस बात का खुलासा तब हुआ जब वर्ष 2017-18 के दौरान, एसोसिएशन के खादी भवन के नियमित भौतिक सत्यापन के भाग के रूप में, केवीआईसी के अधिकारियों ने कपड़े के कई नमूने लिए । इस परीक्षण में नमूने गैर-खादी साबित हुए थे।

केवीआईसी ने इस अनाचार को गंभीरता से लेते हुए मुंबई खादी संघ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और कड़ी कार्वाई के लिए चेतावनी दी है।

पूर्व में उसी दुकान के खिलाफ एक उपभोक्ता द्वारा खादी के नाम पर गैर-खादी उत्पाद बेचने की शिकायत भी दर्ज की गई थी। खादी और ग्रामोद्योग आयोग प्रबंधन ने इस बात को गंभीरता से लेते हुए मुंबई खादी एसोसिएशन को उनके आचरण की विवेचन के पश्चात उचित अवसर देने के बाद खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने खादी मार्क एवं खादी प्रमाणपत्र जून 2019 को निरस्त कर दिया।

किन्तु, यह पाया गया कि मुंबई खादी एसोसिएशन ने खादी मार्क सर्टिफिकेट निलंबन के बावजूद भी खादी मार्क और लेबल के साथ उत्पादों को बेचना जारी रखा। इस धोखाधड़ी के अलावा, यह भी पाया गया कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा खादी गतिविधि के संचालन के लिए मुंबई खादी संघ को दिए गए 2 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण का भुगतान भी संघ ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग को नहीं किया है।

शिविर में ग्रामीणों को दी रोजगार संबंधी जानकारी

मुख्यालय में आयोजित शिविर में बोलते अधिकारी। अमर उजाला

चौखुटिया (अल्मोड़ा)। खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमजीपी) के तहत सार्थक प्रयास संस्था के संयोजन में आयोजित जागरूकता शिविर में सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के लिए दिए जा रहे पैंतीस प्रतिशत अनुदान और अन्य सुविधाओं की जानकारी दी गई। शिविर में कहा गया कि बेरोजगार युवक और युवतियों को स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार और छोटे उद्योग लगाने के लिए योजना शुरू की गई है। शिविर में करीब 180 लोगों ने भाग लिया। इस मौके पर ग्रामोद्योग आयोग के सहायक निदेशक बीएस कंडारी और नोडल अधिकारी जेएस मलिक ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए इसका लाभ उठाने को कहा। वहीं एसबीआई के प्रदीप सेमवाल, बैंक ऑफ बड़ौदा के जयपाल सिंह बिष्ट, सार्थक प्रयास के पवन तिवारी, गोकुल कांडपाल, पूर्व प्रमुख बिशन राम, बीडीओ बीएम गुरुरानी, सोनी हर्बोला, हेमलता तिवारी और राजेंद्र कुमार आदि मौजूद थे।

भास्कर खास • मकसद है...कुम्हार समुदाय को सशक्त बनाया जाए, देशभर में इस साल 30 हजार इलेक्ट्रिक चाक बांटे जाएंगे

कुल्हड़ में चाय; जयपुर समेत प्रदेश के 21 रेलवे स्टेशनों पर जल्द शुरू होगी व्यवस्था, राजस्थान में 1500 से ज्यादा इलेक्ट्रिक चाक बांटे गए

देशभर में रोज करीब 2 करोड़ कुल्हड़ बनेंगे...

केवीआईसी ने अकेले राजस्थान में वर्ष 2018 से लेकर अब तक 1500 से भी अधिक इलेक्ट्रिक चाक वितरित किए हैं।

वाराणसी-रायबरेली स्टेशन से पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत

आज जिले में खादी और ग्रामोद्योग आयोग अध्यक्ष

कन्नौज। तीन नवम्बर को खादी और ग्रामोद्योग आयोग अध्यक्ष इत्रनगरी में रहेंगे। तिर्वा के राजकीय मेडिकल कॉलेज में वह 300 लाभार्थियों को चर्म शिल्प किट, बिजली चालित चाक व मौन पालन बॉक्स बांटेंगे।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग राज्य निदेशक एसके मिश्र ने बताया कि तीन नवम्बर को सुबह साढ़े 10 बजे से शुरू होने वाले कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अध्यक्ष खादी और ग्रामोद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार विनय कुमार सक्सेना होंगे। विशिष्ट अतिथि सुब्रत पाठक व डीएम रवींद्र कुमार भी मौजूद रहेंगे। राज्य निदेशक ने बताया कि लेदर क्राफ्ट मिशन के तहत चर्म शिल्प किट, कुंभकार सशक्तीकरण मिशन के तहत बिजली चलित चाक व हनी मिशन के अंतर्गत मौन पालन के बाक्स का लाभ मिलेगा। तीनों तरह के 100-100 लाभार्थियों को लाभ मिलेगा।

मधमाशीपालनावर आधारित 'मधुक्रांती' परिसंवादाचे आयोजन

नाशिक (प्रतिनिधी) : पीक उत्पादन वाढ आणि मध संकलनासह इतर उपयुक्त पदार्थांचे संकलन करणाऱ्या मधमाश्यांना विशेष महत्त्व आहे. या संदर्भातील सविस्तर माहिती उपलब्ध होण्याच्या हेतूने ''मधुक्रांती २०१९'' या राज्यस्तरीय परिसंवाद व प्रदर्शनाचे आयोजन ६ ते ८ डिसेंबर या कालावधीत करण्यात आले आहे.

निफाड तालुक्यातील पिंपळगाव बसवंत येथील मुखेडरोडवरील बसवंत गार्डन येथे परिसंवाद होईल. शाश्वत शेती आणि उद्योजकतेरिता आवश्यक मधमाशी पालन, हे सूत्र परिसंवादाच्या केंद्रस्थानी असणार आहे. राज्यातील कृषी क्षेत्रातील तज्ज्ञ मार्गदर्शन करणार आहेत. दररोज तीन सत्रात हा कार्यक्रम होईल. यामध्ये मधमाशी पालन संदर्भात तज्ज्ञ मार्गदर्शन करतील.

राज्यात मधमाशीपालन आणि मधप्रक्रिया उद्योगात विशेष योगदान दिलेल्या व्यक्तींचा सत्कार केला जाईल. वरिष्ठ कृषी शास्त्रज्ञ डॉ. भास्कर गायकवाड हे परिसंवादाचे समन्वयक असून डॉ. तुकाराम निकम मार्गदर्शक असतील. परिसंवादात डॉ. बी. बी. पवार, एस. एम. पोकरे, डॉ. बी. एस. शेवाळे, डॉ. व्ही. एस. पवार, अॅग्रोवनचे वरिष्ठ उपसंपादक मंदार मुंडले, संजीव कुमार तोमर, डॉ. जे. के. पुरकर, उत्तम सहाणे, डॉ. सुर्या गुंजाळ, महादेव जाधव, सुरेश पुंड, डॉ. डी. आर. पाटील, नानासाहेब पाटीलआदी मान्यवर उपस्थित राहणार आहेत. या कार्यक्रमास उपस्थित राहण्याचे आवाहन आयोजकांतर्फे करण्यात आले आहे.

यांचा होणार सन्मान

डॉ. आर. पी. फडके (पुणे), डॉ. के. के. क्षीरसागर (पुणे), डॉ. तुकाराम निकम (नाशिक), डॉ. मिलिंद वाकोडे (पुणे), डॉ. धनंजय वाखले (पुणे), डॉ. गोपाल पालीवाल (वर्धा), दिनकर पाटील (लातूर), विवेक खालोकर (वर्धा), विद्यानंद अहिरे (जळगाव), गौतम डेमसे (नाशिक), नानासाहेब इंगळे, कल्लू वांगड (ठाणे)

कुम्हारों को दिया विद्युत चालित चाक का प्रशिक्षण

सामान्य ज्ञान में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

प्रेस कवरेज

From perfumeries to apiaries, Kannauj to regain its lost glory

By **Mail Today Bureau** in New Delhi

In a meeting with Lok Sabha MP Subrat Pathak from Kannauj (UP), Prime Minister Narendra Modi raised his concern over the non production of high quality honey in Kannauj despite the fact that the area is rich of flora and fauna around it which is must for perfumeries. He advised Pathak to meet VK Saxena, chairman, Khadi and Village Industries Commission (KVIC) to further explore the possibility. As advised, the two met each other and discussed the issue. Thereafter, Saxena deputed a team of experts in September 2019 to explore the possibility of beekeeping activities in Kannauj. Survey report suggested high potential for not only beekeeping activities but for pottery and leather activities also.

In less than three months, Kannauj has witnessed historic event, aligned with the vision of Prime Minister Narendra Modi. Saxena along with Subrato Pathak, member of parliament, Kannauj distributed 1,000 bee boxes to 100 local farmers, 100 high tech electric pottery wheels to 100 kumhar families and 100 advanced leather tool kits to 100 leather artisans (mochies) in Kannauj in the medical college campus which was full of local people.

Kannauj which is also called the 'Perfume capital of India' has a history of perfume industry as old as thousand years. Various varieties of flowers and agricultural plants are a part of the primary livelihood in the town. In order to tap the environmental setup of the region and encourage the local youth so as to explore possibilities of livelihood in apiculture and products made of bee wax, pottery and leather, KVIC identified 400 artisans for training, 250 out of which belonged to the scheduled caste and other backward categories. KVIC completed the training in October.

Saxena shared, "Kannauj has a huge scope for bee keeping industry due to its rich flora. Bees are vital to the eco-system as they are pollinators transferring grains of pollen from one plant to another, to fertilise the ovaries of flowers. This initiative would enhance the production of flowers in the region and thus help in increasing the production of perfumes. The honey produced in the process will also be one of the best kinds of honey produced in the country. Also, the production of bees wax can be complimented with the various varieties of perfumes to produce a range of new and unique products such as hair gel wax, scented bee wax candles, wax oil etc. Not only this, the pottery wheels and advanced leather tool kits will also help prevent the youth from migrating to other jobs from their existing traditional art forms."

Hailing the initiative taken by KVIC, Pathak mentioned, "This initiative of KVIC will benefit 100 families of bee keepers, 100 potters and 100 leather artisans in the region. It would help multiply the livelihood manifolds and reduce migration of youth to the cities. Above all, this initiative will complement the existing perfume industry and help to reboot with a new zeal and new business ideas." Interestingly, Kannauj was once a hub of agarbatti manufacturing which later declined due to imports. KVIC chairman announced that 5,000 agarbatti manufacturing machines will be setup in Kannauj by March 2020 under PMEGP.

Quite noticeably, earlier the Kannauj parliamentary constituency was represented by Dimpal Yadav, daughter-in-law of the first family of UP but no such initiatives were ever taken to create job opportunities for local people and manufacturers of Kannauj's attar were suffering. This step of KVIC has created 750 direct jobs in Kannauj and will certainly help support the existing industry of perfumes in the region, while creating new avenues of growth and livelihood for the people of Kannauj. Saxena and Pathak also planted 500 bamboo saplings of Bamboosa Tulda varieties apt for agarbatti manufacturing.

> Kannauj to regain its lost glory in the fields of perfumery, beekeeping, leather, agarbatti manufacturing among other trades.

मुंबई में 11 खादी बिक्री केंद्र सील

बिक्री केंद्रों में गैर खादी उत्पाद बेचने का आरोप, आयोग ने की कार्रवाई

सुशील मिश्र
मुंबई, 13 नवंबर

देश में खादी वस्त्रों और उत्पादों की मांग बढ़ी तो खादी के नाम पर नकली उत्पाद बेचने वाले भी सक्रिय हो गए। खादी के बिक्री केंद्रों में खादी के नाम पर अन्य कपड़ों की बिक्री की शिकायत पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई खादी एवं ग्रामोद्योग संघ (एमकेवीआईए) के 13 में से 11 बिक्री केंद्रों को तत्काल सील कर दिया है। साथ ही एमकेवीआईए के सभी बैंक खातों को भी फ्रीज कर दिया गया है। एमकेवीआईए खादी एवं ग्रामोद्योग से जुड़ी सबसे पुरानी सहायता प्राप्त खादी संस्था है।

खादी पसंद करने वाले लोग खादी संस्थानों से यह समझकर कपड़े खरीदते हैं कि यहां उन्हें शुद्ध खादी के कपड़े मिलेंगे, लेकिन मुनाफाखोरी करने वाले खादी के नाम पर नकली कपड़ों की बिक्री कर रहे थे। जिस पर आज केवीआईसी प्रबंधन की तरफ से कठोर कार्रवाई की गई। केवीआईसी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक उससे मान्यता प्राप्त मुंबई खादी और ग्रामोद्योग संघ के 11 बिक्री केंद्रों को अनुचित व्यापार व्यवहार में लिप्त होने के कारण सील कर दिया गया है।

अधिकारियों के मुताबिक एमकेवीआईए बिक्री केंद्रों पर चल रहे इस अनुचित व्यापार का खुलासा तब हुआ, जब वर्ष 2017-18 के दौरान केवीआईसी के अधिकारियों ने कपड़ों के कई नमूने लेकर उनकी जांच की। इस जांच में नमूने गैर-खादी वाले साबित हुए थे। केवीआईसी ने इस अनाचार को गंभीरता से लेते हुए मुंबई खादी एवं ग्रामोद्योग संघ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। इससे पहले इसी दुकान के खिलाफ एक उपभोक्ता द्वारा खादी के नाम पर गैर-खादी उत्पाद बेचने की शिकायत भी दर्ज की थी।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग प्रबंधन ने इस बात को गंभीरता से लेते हुए मुंबई खादी एवं ग्रामोद्योग संघ को उसके आचरण की समीक्षा का उचित अवसर देने के बाद खादी मार्क और खादी प्रमाणपत्र-जून 2019 निरस्त कर दिया। इसके बावजूद पाया गया कि मुंबई खादी संघ ने खादी मार्क और लेबल के साथ उत्पाद बेचना जारी रखा।

इस धोखाधड़ी के अलावा यह भी पाया गया कि आयोग द्वारा खादी गतिविधि के संचालन के लिए मुंबई खादी संघ को दिए गए दो करोड़ रुपये से अधिक के ऋण का भुगतान भी नहीं किया गया है। आयोग ने रहन विलेख (हाइपोथेक्सेशन डीड) के प्रावधानों के अलावा खादी और ग्रामोद्योग आयोग ऋण नियम, 1958 के तहत प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए संघ के सभी बैंक खातों को फ्रीज कर दिया और इसके द्वारा संचालित बिक्री केंद्रों को सील कर दिया। अधिकारियों का कहना है कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग प्रणाली के अंतर्गत इस प्रकार का अनुचित व्यापार व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह उन सभी संस्थानों के लिए एक कड़ा संदेश है जो किसी भी प्रकार के कदाचार से जुड़े हैं।

पिछले कुछ सालों में खादी की लोकप्रियता काफी बढ़ी है। इसे देखते हुए आयोग के सामने यह सबसे बड़ी चुनौती है कि वह अपने उत्पादों की गुणवत्ता और बिक्री केंद्रों पर कड़ी नजर रखे ताकि ग्राहकों की कसौटी पर खरा उतरा जा सके।

बैंक खाते भी फ्रीज

- खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अधिकारियों द्वारा जांच में हुआ खुलासा
- आयोग ने मुंबई खादी एवं ग्रामोद्योग संघ को कारण बताओ नोटिस जारी किया
- इसके अलावा सभी बैंक खातों को भी फ्रीज किया गया
- एक उपभोक्ता ने खादी के बदले गैर-खादी उत्पाद बेचने की शिकायत दर्ज कराई थी

जागरूकता शिविर | प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की दी गई जानकारी

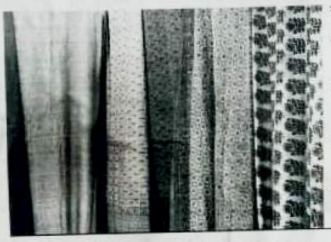

स्वरोजगार स्थापना को आएं आगे

2 दैनिक जागरण कानपुर, 4 नवंबर 2019 कन्नौज

एक नजर में

दो भैंस चोरी

शांतिभंग की कार्रवाई

पुलिस ने वारंटी दबोचे

बेरोजगारी वहीं जहां लोग नहीं करते मेहनत : विनय

छोटे उद्यमों को बढ़ावा देने पर दिया जोर, बांटे उपकरण

लवकरच मधाळ चहा मिळणार : गडकरी

नवी दिल्ली : आरोग्य पोषक पर्याय म्हणून साखरपुडीऐवजी मधाच्या वडीच्या मधाळ चहाची लज्जत चाखता येणार आहे. मोठ्या प्रमाणावर मधाच्या वड्यांचे (हनी क्यूब्स) उत्पादन सुरु करण्यात येणार आहे, असे केंद्रीय सूक्ष्म-लघु आणि मध्यम उद्योगमंत्री नितीन गडकरी यांनी गुरुवारी लोकसभेत दिली.

लघु किंवा कुटीर उद्योगांची उत्पादने विकण्यासाठी 'भारत क्राफ्ट' ई-कॉमर्स पोर्टल सुरु करण्यासाठी सरकार स्टेट बँक ऑफ इंडियाशी चर्चा करीत आहे. ग्रामोद्योगाला चालना देण्यासाठी सरकार प्रयत्न करीत आहे. यातहत येत्या काही महिन्यांत खादी ग्रामोद्योग आयोग मधवड्यांचे उत्पादन बाजारात आणणार असल्याने साखरेऐवजी चहासाठी मधवडीचा पोषक पर्याय उपलब्ध होणार आहे. सरकार यासाठी उत्पादन केंद्र स्थापन करणार आहे, असे गडकरी यांनी यावेळी सांगितले.

सूक्ष्म-लघु आणि मध्यम उद्योग क्षेत्रात (एमएसएमई) यावर्षी ८५ हजार कोटी रुपयांचा व्यवसाय होण्याची शक्यता आहे.

खादी आश्रम में सतर्कता जागरूकता सप्ताह पर कार्यक्रम

नालागढ़ । नालागढ़ बद्दी एनएच मार्ग पर किरपालपुर स्थित खादी आश्रम में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत ईमानदारी एक जीवन शैली विषय पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शपथ ग्रहण कार्यक्रम में खादी आश्रम किरपालपुर के कार्यकर्ताओं, बुनकरों, कत्तिनों तथा अन्य सहयोगी कर्मचारियों ने भाग लिया। क्षेत्रीय संयोजक हिमाचल प्रदेश खादी एवं खादी आश्रम किरपालपुर के संचालक शेषमणि पांडे ने उपस्थित लोगों को ईमानदारी तथा भ्रष्टाचार के विषय में जागरूक किया। इस अवसर पर लेख राम शर्मा, दर्शन सिंह, वेद प्रकाश शर्मा, मीरा देवी, पद्मा देवी, सीमा देवी, रज्जी कौशिक, प्रवीण कौशिक, सपना, इंदु, आशा, रितु, मोनिका, शकुंतला, नीलम सहित खादी आश्रम से जुड़े हुए अन्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। शेषमणि पांडे ने बताया कि जीवन में किसी भी रूप में रिश्वत लेना तथा देना दोनों ही अपराध है। अतः हमें इससे बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक, राजनीतिक व सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार एक बड़ी रुकावट है तथा इसके उन्मूलन के लिए सभी नागरिकों को एक साथ मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें सदा ईमानदारी और सत्य निष्ठा के उच्च मानकों के प्रति वचनबद्ध होना चाहिए तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध सच्चाई और ईमानदारी का साथ देना चाहिए।

प्रेस कवरेज

रुवार, 14 नवंबर, 2019 — मुंबई/ठाणे

अनुचित व्यापार व्यवहार में लिप्त बिक्री आउटलेट्स के खिलाफ कार्रवाई

मुंबई, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) प्रबंधन द्वारा की गई एक तत्पर एवं कठोर कार्रवाई में खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त मुंबई खादी और ग्रामोद्योग संघ के 13 में से 11 आउटलेट संस्थान को अनुचित व्यापार व्यवहार में लिप्त होने के कारण सील कर दिया गया है।

मुंबई खादी एसोसिएशन केवीआईसी से जुड़ी सबसे पुरानी सहायता प्राप्त खादी संस्था से संबद्ध है। इस बात का खुलासा तब हुआ जब वर्ष 2017-18 के दौरान, एसोसिएशन के खादी भवन के नियमित भौतिक सत्यापन में कई नमूने गैर-खादी साबित हुए थे। इसे गंभीरता से लेते हुए मुंबई खादी संघ को कारण बताओ नोटिस जारी कर कार्रवाई की चेतावनी दी है। पूर्व में उसी दुकान के खिलाफ एक उपभोक्ता द्वारा खादी के नाम पर गैर-खादी उत्पाद बेचने की शिकायत भी दर्ज की गई थी। खादी और ग्रामोद्योग आयोग प्रबंधन ने इस बात को गंभीरता से लेते हुए मुंबई खादी एसोसिएशन को उनके आचरण की विवेचना के पश्चात उचित अवसर देने के बाद खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने खादी मार्क एवं खादी प्रमाणपत्र जून 2019 को निरस्त कर दिया। किन्तु, यह पाया गया कि मुंबई खादी एसोसिएशन ने खादी मार्क सर्टिफिकेट निलंबन के बावजूद भी खादी मार्क और लेबल के साथ उत्पादों को बेचना जारी रखा। इस धोखाधड़ी के अलावा, यह भी पाया गया कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा खादी गतिविधि के संचालन के लिए मुंबई खादी संघ को दिए गए 2 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण का भुगतान भी संघ ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग को नहीं किया है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने रहन विलेख (हाइपोथैकेशन डीड) के प्रावधानों के अलावा खादी और ग्रामोद्योग आयोग ऋण नियम, 1958 के तहत प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए संघ के सभी बैंक खातों को फ्रीज कर दिया और इसके द्वारा संचालित सभी 13 आउटलेट्स को 11 नवंबर, 19 को सील कर दिया है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग प्रणाली के अंतर्गत इस प्रकार के अनुचित व्यापार व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। यह उन सभी संस्थानों के लिए एक कड़ा संदेश है, जो किसी भी प्रकार की कदाचार से जुड़े हैं। किसी भी तरह की अनियमितता पाए जाने पर कठोर दंड दिया जाएगा।

'ईमानदारी एक जीवन शैली' विषय पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

खादी आश्रम किरपालपुर में ईमानदारी एक जीवन शैली विषय पर शपथ ग्रहण करते हुए।

नालागढ़, 1 नवम्बर (गुरजीत) : खादी आश्रम किरपालपुर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ईमानदारी एक जीवन शैली विषय पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शपथ ग्रहण कार्यक्रम में खादी आश्रम किरपालपुर के कार्यकर्ताओं, बुनकरों, कतिनों तथा अन्य सहयोगी कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय संयोजक हिमाचल प्रदेश खादी एवं खादी आश्रम किरपालपुर के संचालक शेषमणि पांडे ने उपस्थित लोगों को ईमानदारी तथा भ्रष्टाचार के विषय में जागरूक किया। शेषमणि पांडे ने बताया कि जीवन में किसी भी रूप में रिश्वत लेना तथा देना दोनों ही अपराध हैं। अत: हमें इससे बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक, राजनीतिक व सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार एक बड़ी रुकावट है तथा इसके उन्मूलन के लिए सभी नागरिकों को एक साथ मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें सदैव ईमानदारी और सत्य निष्ठा के उच्च मानकों के प्रति वचनबद्ध होना चाहिए तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध सच्चाई और ईमानदारी का साथ देना चाहिए।

ईमानदारी व भ्रष्टाचार के प्रति किया जागरूक

शेषमणि पांडे ने बताया कि भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार 28 अक्तूबर से 2 नवंबर तक पूरे प्रदेश में खादी और ग्रामोद्योग शिमला द्वारा प्रदेश के अलग-अलग स्थानों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत शपथ ग्रहण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है तथा लोगों को भ्रष्टाचार के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस अवसर पर लेख राम शर्मा, दर्शन सिंह, वेद प्रकाश शर्मा, मीरा देवी, पदमा देवी, सीमा देवी, रज्जी कौशिक, प्रवीण कौशिक, सपना, इंदु, आशा, रितु, मोनिका, शकुंतला, नीलम सहित खादी आश्रम से जुड़े हुए अन्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

लोक कलाकारों को हिमाचली वेषभूषा में कार्यक्रम देना होगा अनिवार्य : उपायुक्त

नाहन, 1 नवम्बर (एसपी जैरथ) : श्री रेणुकाजी अन्तर्राष्ट्रीय मेले में 7 से 12 नवम्बर, 2019 तक होने वाली सांस्कृतिक कार्यक्रम में इस वर्ष मेले में स्थानीय एवं प्रदेश के अन्य जिला के सभी लोक कलाकारों को हिमाचली वेषभूषा में ही

पर्यावरणानुकुल उत्पादों का एक स्थान

बहुमुखी एवं मनमोहक
खादी डिजाइनर परिधानों
जैसे पर्यावरणानुकूल उत्पादों का एक स्थान
खादी वस्त्र, हर्बल उत्पाद,
रसायन रहित अगरबत्तियां,
विषाणु रहित एवं एन्टी फंगल शहद,
नैसर्गिक एवं आयुर्वेदिक सौन्दर्य उत्पाद
जैसे साबुन एवं शैम्पू,
हाथ कागज एवं पारंपरिक हस्तशिल्प
तथा अन्य उत्पादों की विशाल श्रृंखला

कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड़, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई-400 056.
वेबसाईट : www.kvic.org.in

Khadi India

"भारत में हम रोजगार सृजन करते है तथा समृध्दि बुनतें हैं"